CON 1057

एतदर्थ मंडल (हिंदी भाषा परीक्षा), महाराष्ट्र शासन

भाषा संचालनालय, महाराष्ट्र राज्य, प्रशासकीय भवन, ५ वी मंजिल,
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर उद्यान के निकट, सरकारी कालोनी, बांद्रा (पूर्व), मुंबई ४०० ०५१.

उच्चश्रेणी परीक्षा

पहला प्रश्नपत्र : पाठ्यपुस्तक तथा कार्यरुप व्याकरण.

रविवार, दिनांक २४ फरवरी २०१९

[**समय** : सुबह १०-३० से १-०० बजे तक]

(**कुल अंक** — १००)

सूचनाएँ.—(१) सभी प्रश्नों के उत्तर **हिंदी** भाषा तथा **देवनागरी** लिपि में लिखे।
(२) शुद्ध भाषा तथा सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।
(३) नया प्रश्न स्वतंत्र पृष्ठ पर लिखिए।

अंक

प्रश्न १ ला निम्नलिखित गद्य अवतरणों में से किन्हीं दो का संदर्भ स्पष्टीकरण कीजिए :— १५

(अ) 'उसके तन-बदन में जैसे आग लग गई हो। कम-से-कम बच्चों को कुछ खाने को दे सकते थे' .... उसने सोचा लेकिन धीरे से बुदबुदाई।

(ब) "बाबूजी, करा लो। जूते चमका दूँगा। अभी तक बोहनी नहीं हुई है।"

(क) "तुम चली जाओगी, तो फुलकारी कौन बनाएगा ? साहब से तुम्हारे सामने ही फुलकारी देने का इकरार किया है।"

(ड) "मैं मात्र एक सत्यशोधक हूँ। मेरा मानना है कि मैने सत्य तक पहुँचने का मार्ग ढूँढ लिया है।"

प्रश्न २ रा निम्नलिखित पद्य पंक्तियों में से किन्हीं दो का संदर्भ स्पष्टीकरण कीजिए :— १५

(अ) मिट्टी से जो छीन लिया है, वह तज देना धर्म नहीं है।
जीवन साधन की अवहेला, कर्मवीर का कर्म नहीं है।

(ब) साँझ का तारा, किसे खोजने आया आम निशा में।
कौन संदेशा ले पवन आया है सुनने तो दो।

(क) दिल के सुरज को, सलीबों पें चढ़ाने वालो।
रात ढल जाएगी, इक रोज जमानेवालों।।

(ड) राम नाम षेती राम नाम बारी। हमारै धन बाबा बनवारी।
या धन की देषहु अधिकाई। तसकर हरैं न लागै काई।।

प्रश्न ३ रा निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर आठ-दस पंक्तियों में लिखिए :— १५

(अ) "रघुराज सिंह" अपने बेटे के लिए किस प्रकार की बहु की अपेक्षा करते थे ? और खुद उनका अपने भाईयों से कैसा व्यवहार था ?

(ब) साहब आने के पहले शामनाथ के अपने माँ के बारे में क्या विचार थे ?

(क) "ईश्वर, कर्म, सत्य आदि के बारे में गांधीजी का चिंतन विचारणीय है।" पाठ के अनुसार स्पष्ट कीजिए।

(ड) देश-विदेश घूमने से ज्ञान में अभिवृद्धि किस प्रकार होती है यह घुमक्कड के आधारपर लिखिए।

अंक

प्रश्न ४ था निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर आठ-दस पंक्तियों में लिखिए :— १५

(अ) आजादी के आंदोलन में हिस्सा लेनेवाले क्रांतिविरों की जानकारी “चलो आज हम दीप जलाएँ” इस कवितानुसार स्पष्ट कीजिए।

(ब) जयशंकर प्रसादजीने मनु की मनोदशा, उनकी चिंता का वर्णन “चिंता” कविता में किस प्रकार की है ?

(क) संत नामदेवजीने “रामनाम” की महिमा का गुणगान किस प्रकार किया है ?

(ड) “बटो हिया” इस लोकगीत में प्रकृति, नदी, पहाड, महापुरुष के बारे में कवि के विचार स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न ५ वा निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही एक प्रश्न का उत्तर विस्तार से लिखिए :— १०

(अ) “दुख” कहानी में लेखक ने दुसरों के दुख के प्रति संवेदना किस प्रकार व्यक्त की है ?

(ब) एक पुत्र की अपनी माँ के प्रति समर्पण की भावना “मानस का हंस” पाठ के अनुसार स्पष्ट किजिए।

(क) टॉल्स्टॉयजी के जीवन परिचय के बारे में रामकुमार वर्माजी के विचार समझाइए।

प्रश्न ६ वा निम्नलिखित मुहावरो में से किन्ही पाँच के अर्थ लिखकर उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए :— १०

(अ) पसीना-पसीना हो जाना।

(ब) उड़ जाना।

(क) संकट से दो हाथ करना।

(ड) दंग रह जाना।

(इ) मुँह खिलना।

(फ) पत्थर की लकीर होना।

(ग) दिल धडकना।

(ह) टाँग अड़ाना।

(य) आँख मिलाकर खड़े रहना।

(र) ताव आना।

प्रश्न ७ वा निम्नलिखित शब्द समूहो में से किसी एक का भाव स्पष्ट किजिए :— ५

(अ) आज आदमी सबके बीच रहकर भी सबसे अकेला हो गया है। सारे रिश्ते है, लेकिन दरअसल कोई रिश्ता नहीं बचा है।

(ब) मैं जानती हूँ माँ, अपराध होता है। तुम्हारे दुख की बात भी जानती हूँ। फिर भी मुझे अपराध का अनुभव नहीं होता।

(क) मेरी आत्मा जब तक एक भी अन्यास अथवा एक भी विपत्ति की विवश साक्षी है, तब तक वह संतोष का अनुभव नहीं कर सकती।

प्रश्न ८ वा (अ) निम्नलिखित शब्दों में से किन्ही तीन सामासिक शब्दों के विग्रह करके उन समासों के प्रकार लिखिए :— ३

(१) पंचारती-

(२) सत्यासत्य-

(३) मनोविज्ञान-

(४) आकाश-पाताल -

(५) चक्रपाणि–

अंक

(ब) **निम्नलिखित शब्दों में से किन्ही तीन शब्दों का संधि-विच्छेद लिखिए :—** ३

(१) उत्तराधिकारी-

(२) आध्यात्मिक-

(३) गुरुत्वाकर्षण-

(४) सत्कर्मी-

(५) मानापमान-

(६) स्वागत-

प्रश्न ९ वा कोष्टक में दी गई सूचना के अनुसार किन्हीं तीन के उत्तर लिखिए :— ३

(अ) हाँ तो पुत्तर कौन-से सेक्टर जाना है बूढ़े की जुबान में पंजाबी लहजा था।

(उचित विराम चिन्हों का प्रयोग कीजिए।)

(ब) बस्ती के लिए यह तूफान प्रलय बनकर आया था।

(अपूर्ण भूतकाल में काल परिवर्तन कीजिए।)

(क) बरामदा तालीया से गूँज उठी।

(वाक्य शुद्ध करके लिखिए।)

(ड) **निम्नलिखित शब्दों में से किन्ही दो शब्दों में प्रत्यय जोड़कर शब्द बनाइए :—**

(१) इतिहास-

(२) मानस-

(३) कृपा-

(इ) **निम्नलिखित शब्दों में से किन्ही दो शब्दों में प्रयुक्त उपसर्ग अलग करके लिखिए :—**

(१) सुपूत्र-

(२) सुफल-

(३) परमात्मा-

प्रश्न १० वा (अ) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्ही तीन वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :— ३

(१) मिट्टी से जो छीन लिया है, वह तज देना .... नहीं है।

(२) रची-बसी हो .... की गंध में याद आती हो।

(३) .... जैसा अलिंगित हो अंधकार तब भर उठता था।

(४) मैं .... के उजालों में रहा करता हूँ।

(५) मेघमय आसमान से उतर रही है वह ....।

(ब) **निम्नलिखित वाक्य किसने, किससे कहे है ? :—** ३

(१) "तरक्की क्या यूँ ही हो जाएगी ? साहब को खुश रखूँगा, तो कुछ करेंगे।"

(२) "हम तुम को आगे ढकेलेंगे। तुम एक बार जोर से कराहोगी तो जरुर, पर तुम्हारी ये जकड़ी देह खुल जाएगी ।

(३) दूध औटा दिया है। शर्करा मिला लो और पी लो ....।

(४) लेकिन माँ, सबसे आगेवाला ज्यादा मेहनत करता है और सबसे पीछेवाले के लिए रास्ता आसान बनाता चलता है, ऐसा क्यो ?

(५) दस साल का था में, जब लाहौर से दिल्ली आया था ..... बाऊजी ताँगा चलाते थे।

एतदर्थ मंडल (हिंदी भाषा परीक्षा), महाराष्ट्र शासन

भाषा संचालनालय, महाराष्ट्र राज्य, प्रशासकीय भवन, ५ वी मंजिल,
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर उद्यान के निकट, सरकारी कालोनी, बांद्रा (पूर्व), मुंबई ४०० ०५१.

उच्चश्रेणी परीक्षा

दूसरा प्रश्नपत्र — निबंध लेखन, पत्र-लेखन, सार-लेखन, अनुवाद इ.

रविवार, दिनांक २४ फरवरी २०१९

[**समय** : दोपहर २-०० से ४-४५ बजे तक]

(मौखिक परीक्षा की अवधी मिलाकर)

(**कुल अंक** — १००)

सूचनाएँ.—(१) प्रश्न क्रमांक दूसरा (अ) को छोड़कर सभी प्रश्नों के उत्तर **हिंदी** भाषा तथा **देवनागरी** लिपि में लिखे।

(२) शुद्ध भाषा तथा सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

(३) नया प्रश्न स्वतंत्र पृष्ठ पर लिखिए।

अंक

प्रश्न १ ला निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग ३०० शब्दों का निबंध लिखिए :— २०

(अ) विज्ञान, मनुष्य की कमजोरी।

(ब) राष्ट्रोन्नति में युवकों का योगदान।

(क) अकाल : एक राष्ट्रीय समस्या।

(ड) एक असफल परीक्षार्थी की आत्मकथा।

(इ) जहाँ चाह, वहाँ राह।

अथवा

निम्नलिखित रूपरेखा के आधारपर १५ से २० पंक्तियों में एक कहानी लिखिए तथा कहानी से प्राप्त सीख बतलाते हुए कहानी को उचित शीर्षक दीजिए :—

वृद्धाश्रम का माहोल .... एक वृद्ध का बाहर घूमना .... एक बँगले में काम .... मालिक की बेटी का उसकी देखभाल करना .... मृत्यूशैया पर वृद्ध .... वृद्ध द्वारा बच्ची को उपहार .... बेटी को आश्चर्य।

प्रश्न २ रा (अ) निम्नलिखित हिंदी अवतरण का मराठी या अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए :— १५

शिक्षा मानव जीवन के विकास का प्रमुख आधार है। शिक्षाविहीन व्यक्ति पशु के समान जीवनयापन करता है। व्यक्ति में अच्छे संस्कार शिक्षा के माध्यम से ही आते है। शिक्षा के माध्यम से व्यक्ति सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक, धार्मिक ज्ञान प्राप्त कर स्वयं तो अपना मार्ग बनाता ही है, साथ ही दूसरों का भी मार्गदर्शन करता है। शिक्षा प्राप्त करना प्रत्येक व्यक्ति का जन्मसिद्ध अधिकार है। नवीन पीढ़ी अथवा बालक एवं नवयुवक तो शिक्षा प्राप्त कर आगे बढ़ते रहे है। आवश्यकता है, प्रौढ़ों को शिक्षा प्रदान करने की, अथवा १४ वर्ष की आयु से अधिकवाले वे समी व्यक्ति जो अशिक्षित है। अथवा हम कह सकते हैं कि वे सभी व्यक्ति जो समय से शिक्षा प्राप्त नहीं कर सके और न कर पा रहे हैं। शिक्षा के इतने प्रचार व प्रसार हो जाने पर भी व्यक्ति अपने धन का सही उपयोग नहीं कर पाता और न ही भोला-भाला किसान अपनी उपज का उचित मूल्य प्राप्त कर पाता है। आज भी वह साहूकार और अन्य लोगों के द्वारा आसानी से ठग लिया जाता है। स्वतंत्रता

अंक

(ब) निम्नलिखित मराठी या अंग्रेजी अवतरण का सरल हिंदी में अनुवाद कीजिए :— १५

एका व्यापाराकडे एक कारकून काम करीत होता. तो तरूण कारकून प्रामाणिक होता व आपल्या मालकाची संपत्ती व पैसे यांची सावधपणे काळजी घेत होता. त्याच्या चांगल्या चारित्र्यावर त्याचा मालक अतिशय खूष होता. व्यापाऱ्याने त्याला काही पैसे दिले व काही माल खरेदी करून लहानसे दुकान चालू करण्यास सुचवले. तो कारकून आपल्या मालकाची नेहमीच प्रेमाने व आदराने आठवण करी.

अथवा

Gandhiji wished that people should lead simple lives. He also wished that people should help the weak and the poor. He was a worshipper of truth and non-violence. He never told a lie. Though he was very busy, he always found time to spin and pray. He said that people should work for the good of the country.

प्रश्न ३ रा (अ) निम्नलिखित में से किसी एक पत्र का प्रारूप (नमुना) तैयार कीजिए :— १५

देवांग / देविका वेद, गाडगे बिल्डिंग, कोल्हापूर से सार्वजनिक गणेशोत्सव के समय दिन-रात ऊंची आवाज में रेकार्ड बजाने के कारण अध्ययन में बाधा पड़ती है, अतः उसकी ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए, होम इंस्पेक्टर, शहर विभाग, कोल्हापूर के नाम पत्र लिखता / लिखती है।

अथवा

नितीन / निता पाटील, माधवबाग, सांगली से मा. व्यवस्थापक, क्वालिटी स्पोर्टस्, अप्पा बलवंत चौक, पुणे को हॉकी खेल की सामग्री मँगाते हुए लिखता / लिखती है।

(ब) निम्नलिखित शब्दों में से किन्ही सात शब्दों के लिए अंग्रेजी पर्यायी शब्द लिखिए :— ७

(१) निविदा (२) पर्यवेक्षक
(३) अनुवांशिकी (४) अवकाश
(५) कुलपति (६) दंड
(७) स्थगन (८) छात्रवृत्ति
(९) अधिकार (१०) ऋणी।

(क) निम्नलिखित शब्दों में से किन्ही आठ शब्दों के लिए हिंदी पर्यायी शब्द लिखिए :— ८

(१) Orbit (२) Memorandum
(३) Cashier (४) Satelite
(५) Data (६) Magistrate
(७) Affidavit (८) Bond
(९) Gravitation (१०) Commission.

अंक

प्रश्न ४ था निम्नलिखित गद्यांश का एक-तिहाई सार लिखिए अथवा नीचे दिए गये प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखकर सार को उचित शीर्षक दीजिए :– २०

बिठोबा के आनंद का ठिकाना न था। वह एक हरिजन बालक था। बापू ने हरिजन-उद्धार के लिए अनशन रखा हुआ था। उन्होंने बालक के सिर पर हाथ फेरते हुए कहा—बिठोबा मैं तुम्हारे लाए संतरे से ही अनशन तोड़ूँगा।

बिठोबा एक-एक पैसा जोड़ने लगा। किसी का बोझा उठा देता, किसी के यहाँ झाडू लगा देता और कभी किसी का कूड़ा बस्ती से दूर फेंक आता। वह इतने पैसे जोड़ना चाहता था कि दो-चार अच्छे संतरे खरीद सके, पर उसकी समस्या हल नहीं हो रही थी। कभी तो उसे आधा पैसा मिल जाता लेकिन अधिकांश लोग उसे बासी रोटी या फटा-पुराना कपड़ा देकर ही काम करवा लेते थे।

बापू का अनशन टूटने का दिन भी आ गया। उन्होंने बिठोबा से कहा—कल संतरे लेकर अवश्य आना, मैं तेरे संतरे से ही अनशन तोड़ूँगा। बिठोबा आनंदमग्न सभी से कहता—कल बापू मेरे संतरे से अपना अनशन तोड़ेंगे! लोग उसे सनकी समझते। वे हँसते हुए कहते-—यह सौभाग्य तो बड़ों-बड़ों को भी दुर्लभ है, तुम किस गिनती में हो! टोकरों के टोकरे संतरे आ रहे हैं। बिठोबा सोच में पड़ गया पर संतरे तो खरीदने ही थे। उसे एक दुकान पर बड़े-बड़े और ताज़े संतरे दिखे। उसने भाव पूछा तो दंग रह गया। बोला—ये तो बहुत महँगे हैं। मेरे पास तो चार आने हैं। मुझे चार संतरे तो चाहिए ही, तभी तो एक गिलास रस निकलेगा। एक संतरेवाले ने गले-सड़े संतरे दिखाकर कहा-ये ले लो। तूने ही तो खाने हैं ना! बिठोबा की आँखें भर आईं। वह अपनी निर्धनता को कोस रहा था। एक फलवाले को उस पर दया आ गई। उसने चार आने में चार छोटे-छोटे संतरे उसके हाथ में थमा दिए। बिठोबा संतरे लेकर दौड़ पड़ा।

बापू के अनशन तोड़ने का समय हो चुका था। सब बापू की जीवन-रक्षा के लिए प्रार्थना कर रहे थे। ताज़ा रस निकाला जा रहा था पर बापू राम धुन गाते हुए भी बिठोबा की प्रतीक्षा में आँखें बिछाए थे। तभी दौड़ता हुआ बिठोबा आया। पर कोई उसे भीतर जाने दे तो। बापू ने पूछा—बिठोबा नहीं आया ? खोज होने लगी। किसी ने पुकारा—बिठोबा! "जी हाँ," कहते-कहते उसका गला रूँध गया। "अरे, जल्दी भीतर चलो, बापू तुम्हें बुला रहे हैं। वे तेरे लाए संतरों की बाट देख रहे हैं।" उसने संतरे बापू के हाथ में दे दिए। बापू ने बिठोबा के सिर पर हाथ फेरते हुए उन्हीं संतरों का रस पीकर अनशन तोड़ा।

प्रश्न—

(अ) बिठोबा कौन था ? उसे बापू ने क्या कहा था ? ४

(ब) बिठोबा को संतरे खरीदने के लिए पैसे इकट्ठे करने में क्या कठिनाई आई ? ४

[पलटकर देखिए

अंक

(क) लोग बिठोबा को सनकी क्यों समझते थे और वे उसके बारे में क्या सोचते थे ? ४

(ड) बिठोबा ने कितने पैसे इकट्ठे किए और वे उसके बारे में क्या सोचते थे ? २

(इ) बिठोबा पहले बापू के पास क्यों न पहुँच सका ? २

(फ) बापू बिठोबा के लाए संतरों का रस ही क्यों पीना चाहते थे ? २

(ग) परिच्छेद का उद्देश स्पष्ट करके उस गद्य खंड को उचित शीर्षक दीजिए। २